

सहारा रेगसिस्तान की दुर्लभ वर्षा

स्रोत: बज़िनेस स्टैंडर्ड

हाल ही में वर्षा की दुर्लभ घटना और बाढ़ से मोरक्को के सहारा रेगसिस्तान के ताड़ के पेड़ों के साथ रेत के टीलों का क्षेत्र जलमग्न हो गया।

- यह वर्षा अंतर-उष्णकटिबंधीय अभसिरण क्षेत्र (ITCZ) के सामान्य से अधिक उत्तर की ओर स्थानांतरित होने के कारण हुई, जिसके परिणामस्वरूप सहारा में भूमध्यरेखीय क्षेत्र की तरह मूसलाधार वर्षा हुई।
 - ITCZ के कारण शक्तिशाली बहुरिष्ण कटिबंधीय चक्रवात की स्थिति बिनी, जिसका प्रभाव उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका तक रहा।
 - बहुरिष्ण कटिबंधीय चक्रवात का आशय उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से बाहर अक्षांशों में वकिसति होने वाली एक नमिन दाब प्रणाली है जिससे मूसलाधार वर्षा हो सकती है।
- ITCZ के पुनःस्थानीकरण से रिकॉर्ड-उच्च समुद्री तापमान के साथ जलवायु परिवर्तन की स्थिति में योगदान मलि सकता है।
- सहारा रेगसिस्तान: यह विश्व का सबसे बड़ा ऊष्ण रेगसिस्तान है जिसकी लंबाई लगभग 4,800 कमी तथा अधिकतम चौड़ाई 1,800 कमी है।
 - यह संपूर्ण अफ्रीकी महाद्वीप के लगभग 31% भाग पर फैला हुआ है।
 - यह अल्जीरिया, मसिर, माली, मोरक्को, पश्चिमी सहारा, ट्यूनीशिया, चाड, लीबिया, मॉरिटानिया, नाइजर और सूडान सहित 11 उत्तरी अफ्रीकी देशों तक वसितारति है।



विश्व के मरुस्थल



तथ्य

- विश्व का सबसे बड़ा गर्म मरुस्थल- सहारा (उत्तरी अफ्रीका), दिन के दौरान 50°C तक तापमान पहुँच जाता है।
- एशिया में गोबी मरुस्थल और अंटार्कटिक और आर्कटिक के ध्रुवीय मरुस्थल, जो विश्व के सबसे बड़े मरुस्थल हैं, हमेशा ढंके रहते हैं।
- चिली का अटाकामा मरुस्थल विश्व में सबसे शुष्क (अंटार्कटिका के बाद) है, जिसके कुछ हिस्से प्रति वर्ष < 2 मिमी. वर्षा प्राप्त करते हैं।
- नामीब मरुस्थल (दक्षिणी अफ्रीका) को 55 मिलियन वर्ष पुराना माना जाता है; विश्व का सबसे पुराना मरुस्थल।
- सड़कों, बुनियादी ढाँचों और हज़ारों साल पुरानी मानव बस्तियों (लगभग 50,000 साल पुरानी) की उपस्थिति के चलते थार मरुस्थल (भारत) को विश्व में सर्वाधिक नागरिक सभ्यता वाला मरुस्थल माना जाता है।



और पढ़ें: [विश्व के मरुस्थल](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rare-rain-in-the-sahara-desert>